बिहार की +2 पास बालिकाओं के लिए करियर विकल्प: सरल हिंदी मार्गदर्शिका

प्रस्तावना

बिहार स्कूल परीक्षा बोर्ड की उच्चतर माध्यमिक (+2) परीक्षा पास करने के बाद कई बालिकाएँ अपने अगले कदम को लेकर उलझन में रहती हैं, खासकर जब घर की आर्थिक स्थिति कमजोर हो। इस मार्गदर्शिका का उद्देश्य इन्हीं बालिकाओं को सरल, स्पष्ट और व्यावहारिक जानकारी देना है—ताकि वे रोजगार-उन्मुख पढ़ाई चुनें या छोटा कारोबार शुरू कर आगे बढ़ें। यहाँ दिए गए विकल्प सासाराम (रोहतास), समस्तीपुर और सीतामढ़ी जैसे जिलों की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बताए गए हैं। साथ ही, सरकार से मिलने वाली सहायता और प्रवेश/आवेदन की सामान्य प्रक्रिया भी समझाई गई है।

A. रोजगार-उन्मुख पढ़ाई (जॉब-ओरिएंटेड एजुकेशन)

1) आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान)

- क्या पढ़ें: इलेक्ट्रीशियन, फिटर, वेल्डर, कंप्यूटर ऑपरेटर (COPA), ड्रेस मेकिंग/सेविंग टेक्नोलॉजी, रेफ्रिजरेशन और एयर कंडीशनिंग, प्लंबर, सोलर टेक्नीशियन आदि।
- अवधि: सामान्यतः 1 से 2 साल।
- क्यों लाभदायक: जल्दी नौकरी/अप्रेंटिसशिप मिलती है; ITI के बाद अप्रेंटिस बनकर स्टाइपेंड भी मिलता है। लड़कियों के लिए सिलाई/ड्रेस मेकिंग, COPA, इलेक्ट्रॉनिक्स/इलेक्ट्रिकल अच्छे विकल्प हैं।
- कहाँ देखें: जिला मुख्यालय/नजदीकी शहरों में सरकारी/निजी ITI; ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल पर फ़ॉर्म।
- शुल्क/सहायता: सरकारी ITI में फीस कम; कई स्कॉलरशिप/फीस माफी योजनाएँ, SC/ST/OBC/EWS श्रेणी के लिए विशेष सहायता। लड़कियों के लिए कुछ ट्रेड में आरक्षण/फीस राहत भी होती है।

Disclaimer: यहाँ दी गई सामग्री इंटरनेट सोर्सेज से मात्र चर्चा के लिए जुटायी गई है, मधुरम चैरिटेबल ट्रस्ट फॉर फ्यूचर्स इन जानकारियों की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं करता है। पाठक कृपया अपने स्तर पर इनकी पुष्टि कर लें।

2) पॉलिटेक्निक/डिप्लोमा इंजीनियरिंग (3 वर्ष)

- क्या पढ़ें: सिविल, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आर्किटेक्चर, फूड प्रोसेसिंग, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग।
- क्यों लाभदायक: 3-वर्षीय डिप्लोमा के बाद जूनियर इंजीनियर/टेक्नीशियन पदों पर आवेदन; आगे B.Tech में लेटरल एंट्री भी मिलती है।
- प्रवेश: राज्य-स्तरीय एंट्रेंस परीक्षा/मेरिट के आधार पर।
- सहायता: ट्यूशन फीस में रियायत, सरकारी छात्रवृत्ति, होस्टल सुविधा, और EWS/आरक्षण नीति के अंतर्गत सहायता।

3) नर्सिंग, पैरामेडिकल व हेल्थकेयर कोर्स

- विकल्प: ANM (2 वर्ष), GNM (3 वर्ष), B.Sc. Nursing (4 वर्ष), लैब टेक्नीशियन (DMLT), रेडियोग्राफी, ऑप्टोमेट्री, डेंटल हाइजीन, फिजियोथेरेपी तकनीशियन।
- क्यों महत्वपूर्ण: स्वास्थ्य क्षेत्र में रोजगार की मांग स्थिर है; सरकारी व निजी दोनों क्षेत्रों में अवसर।
- प्रवेश/सहायता: एंट्रेंस/मेरिट; छात्रवृत्ति, आयुष्मान/राज्य योजनाओं के तहत प्रशिक्षण सहायता, छात्रावास और स्टाइपेंड विकल्प कुछ संस्थानों में उपलब्ध।

4) शिक्षक प्रशिक्षण और प्रारंभिक शिक्षा

- विकल्प: D.El.Ed. (2 वर्ष), B.El.Ed., B.Ed. (स्नातक के बाद), प्री-प्राइमरी/बाल विकास कार्यकर्ता प्रशिक्षण।
- अवसर: सरकारी/निजी स्कूलों, कोचिंग/ट्यूशन, आंगनवाड़ी/बाल विकास परियोजनाएँ, NGO.
- तैयारी: प्रवेश परीक्षाएँ/मेरिट; CT (Central Teacher Eligibility) व राज्य TET भविष्य में उपयोगी।

5) कंप्यूटर व डिजिटल स्किल्स (शॉर्ट-टर्म)

- कोर्स: बेसिक कंप्यूटर, Tally/Accounts, Data Entry (DEO), डिजिटल मार्केटिंग, ग्राफिक डिज़ाइन, वेब डेवलपमेंट, UI/UX की मूल बातें।
- क्यों: स्थानीय स्तर पर अकाउंटिंग/दुकान/किराना/स्कूल/क्लिनिक/मैडिकल स्टोर में जॉब/पार्ट-टाइम मिल सकता है; घर से फ्रीलांस भी संभव।
- कहाँ: सरकारी स्किल सेंटर (PMKVY/State Skill Mission), CSC (कॉमन सर्विस सेंटर), निजी संस्थान।

Disclaimer: यहाँ दी गई सामग्री इंटरनेट सोर्सेज से मात्र चर्चा के लिए जुटायी गई है, मधुरम चैरिटेबल ट्रस्ट फॉर फ्यूचर्स इन जानकारियों की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं करता है। पाठक कृपया अपने स्तर पर इनकी पुष्टि कर लें।

6) बैंकिंग, रिटेल और ऑफिस मैनेजमेंट

- कोर्स: रिटेल सेल्स एसोसिएट, कस्टमर सर्विस, ऑफिस एडमिन, बेसिक अकाउंटिंग, GST/Tally।
- अवसर: दुकानों, मॉल, एजेंसियों, माइक्रो-फाइनेंस/SHG, NBFC, छोटे दफ्तरों में नौकरी।

7) कृषि और allied सेक्टर के कोर्स

- विकल्प: कृषि विस्तार, डेयरी/पोल्ट्री/फिशरी, सीड/फर्टिलाइजर सेल्स, फूड प्रोसेसिंग तकनीक, जैविक खेती, ड्रिप इरिगेशन/सोलर पम्प टेक्नीशियन।
- लाभ: गाँव में रहते हुए आय; सरकारी योजनाओं/किसान उत्पादक संगठनों (FPO) के साथ काम।

8) हॉस्पिटैलिटी और पर्यटन

- कोर्स: हाउसकीपिंग, फूड एंड बेवरेज सर्विस, फ्रंट ऑफिस, बेकरी, कुकिंग।
- अवसर: होटल/रेस्त्रां/ढाबा, केटरिंग, ट्रैवल एजेंसी; घर-आधारित किचन/टिफिन सेवा भी।

9) सुरक्षा, आंगनवाड़ी, सोशल वर्क, आर्ट्स-क्राफ्ट

- विकल्प: आशा/आंगनवाड़ी, कम्युनिटी हेल्थ, NGO ट्रेनिंग, सिलाई-कढ़ाई, हैंडिक्राफ्ट्स, हैंडलूम/पावरलूम प्रशिक्षण।
- अवसर: सरकारी/NGO प्रोजेक्ट्स, सेल्फ-हेल्प ग्रुप के साथ काम, अपना छोटा यूनिट।

10) स्नातक + वैल्यू-एडेड सर्टिफिकेट

- यदि BA/B.Sc./B.Com. करना चाहें, तो साथ में कोई स्किल सर्टिफिकेट जोड़ें—ताकि डिग्री के साथ नौकरी-योग्यता भी बढ़े (जैसे Tally, डिजिटल मार्केटिंग, बेसिक कोडिंग, DTP, कंटेंट/डाटा एंट्री, बेसिक एकाउंटिंग, ऑडिटिंग, ऑफिस मैनेजमेंट, हॉस्पिटल मैनेजमेंट, रिसेप्शन मैनेजमेंट, शेफ)।

B. स्वयं का रोजगार (स्व-रोजगार/उद्यमिता)

Disclaimer: यहाँ दी गई सामग्री इंटरनेट सोर्सेज से मात्र चर्चा के लिए जुटायी गई है, मधुरम चैरिटेबल ट्रस्ट फॉर फ्यूचर्स इन जानकारियों की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं करता है। पाठक कृपया अपने स्तर पर इनकी पुष्टि कर लें।

1) सिलाई, बुटीक और यूनिफॉर्म सप्लाई

- शुरुआत: घरेलू सिलाई मशीन, बेसिक कटिंग-स्टिचिंग कोर्स; स्कूल/कोचिंग/प्राइवेट सुरक्षा/हॉस्पिटल के यूनिफॉर्म ऑर्डर लें।
- विस्तार: 2–3 मशीन लगाकर छोटी यूनिट; ऑनलाइन/WhatsApp कैटलॉग; स्थानीय बाज़ार/मेले में स्टॉल।

2) फूड प्रोसेसिंग और किचन-आधारित उद्यम

- विकल्प: आचार, पापड़, मसाला पीसाई, स्नैक्स, बेकरी, टिफिन, कैंटीन।
- लाइसेंस/अनुमति: FSSAI बेसिक रजिस्ट्रेशन; स्वच्छता मानक; पैकेजिंग/लेबलिंग।

3) ब्यूटी पार्लर और पर्सनल केयर

- प्रशिक्षण: 3–6 माह का कोर्स; घरेलू सर्विस से शुरुआत; आगे छोटा पार्लर।
- स्किल: मेहंदी, थ्रेडिंग, बेसिक फेशियल/हेयर, ब्राइडल मेकअप (धीरे-धीरे सीखें)।

4) एजुकेशन/ट्यूशन/डिजिटल सेवाएँ

- होम ट्यूशन, छोटा कोचिंग, बच्चों के लिए फाउंडेशन क्लास, बेसिक कंप्यूटर/टाइपिंग सिखाना।
- डिजिटल सेवा केंद्र: ऑनलाइन फॉर्म भरना, प्रिंट-स्कैन, फोटो-स्टेट, आधार/पैन लिंकिंग गाइडेंस (CSC मॉडल)।

5) रिटेल/डिस्ट्रीब्यूशन/एजेंसी

- छोटे स्तर पर कॉस्मेटिक/जनरल स्टोर/स्टेशनरी/कपड़ा/किराना/सब्ज़ी वेंडिंग।
- कंपनियों से माइक्रो-डिस्ट्रीब्यूटर/डीलरशिप; मोबाइल रीचार्ज/प्रिंटिंग/फोटोकॉपी साथ में।

6) कृषि-आधारित उद्यम

- डेयरी (2–4 गाय/भैंस से शुरुआत), पोल्ट्री, मशरूम, मधुमक्खी पालन, नर्सरी, मसाला/अनाज प्रोसेसिंग (छोटा फ्लोर मिल/मसाला ग्राइंडर), सोलर पम्प सेवा।
- FPO/SHG के साथ जुड़ कर सामूहिक मार्केटिंग।

Disclaimer: यहाँ दी गई सामग्री इंटरनेट सोर्सेज से मात्र चर्चा के लिए जुटायी गई है, मधुरम चैरिटेबल ट्रस्ट फॉर फ्यूचर्स इन जानकारियों की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं करता है। पाठक कृपया अपने स्तर पर इनकी पुष्टि कर लें।

7) ई-कॉमर्स/ऑनलाइन बिक्री

- अपने उत्पाद (सिलाई/हैंडमेड/खाद्य) का WhatsApp/Facebook/Instagram पर कैटलॉग बनाकर बेचना; स्थानीय डिलीवरी।
- ऑनलाइन मार्केटप्लेस पर धीरे-धीरे उपस्थिति (जहाँ संभव हो)।

8) ई-रिक्शा/दो-पहिया सेवाएँ

- ई-रिक्शा ड्राइविंग/रेंटल; महिलाओं के लिए सुरक्षित परिवहन सेवा; स्कूल/ट्यूशन/बाज़ार के लिए निर्धारित रूट।

9) मरम्मत और मेंटेनेंस सेवाएँ

- मोबाइल/इलेक्ट्रॉनिक्स/इलेक्ट्रिकल/सोलर पम्प/चूल्हा-गैस/वाटर प्यूरीफायर की सर्विसिंग—छोटा सर्विस-सेंटर।

C. सरकारी सहायता/योजनाएँ: क्या-क्या मिल सकता है

1) छात्रवृत्ति और फीस सहायता

- राज्य और केंद्र सरकार की कई छात्रवृत्तियाँ (SC/ST/OBC/EWS/अल्पसंख्यक/मेधावी छात्रा)।
- पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, कन्या उत्थान जैसी योजनाएँ (जिला समाज कल्याण/अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय पर अपडेट लें)।
- सरकारी ITI/पॉलिटेक्निक/नर्सिंग कॉलेज में फीस रियायत और होस्टल सुविधा।

2) कौशल विकास व प्लेसमेंट

- PMKVY (प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना), राज्य स्किल मिशन, जिला रोजगार कार्यालय, कौशल विश्वविद्यालय/केंद्र।
- प्रशिक्षण अक्सर नि:शुल्क/कम शुल्क; कुछ कोर्स में स्टाइपेंड/इंटर्नशिप/प्लेसमेंट सहायता।

Disclaimer: यहाँ दी गई सामग्री इंटरनेट सोर्सेज से मात्र चर्चा के लिए जुटायी गई है, मधुरम चैरिटेबल ट्रस्ट फॉर फ्यूचर्स इन जानकारियों की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं करता है। पाठक कृपया अपने स्तर पर इनकी पुष्टि कर लें।

3) महिला स्वयं सहायता समूह (SHG) और जीविका

- JEEViKA/NRLM के तहत SHG बनाकर बैंक-लिंक्ड क्रेडिट; लोन पर ब्याज़ सबवेंशन; समूह आधारित उद्यम (सिलाई, फूड, किराना, डेयरी)।
- SHG के जरिए मार्केट-लिंक और सरकारी आपूर्ति (स्कूल यूनिफॉर्म/मिड-डे मील/आंगनवाड़ी सप्लाई) के अवसर।

4) मुद्रा लोन/स्टार्ट-अप सहायता

- पीएम मुद्रा योजना: शिशु (50,000 तक), किशोर, तरुण (10 लाख तक) श्रेणियाँ; गारंटी-मुक्त लोन (बैंक की पात्रता शर्तें लागू)।
- स्टैंड-अप इंडिया: महिला/SC/ST उद्यमियों को 10–100 लाख तक लोन (विशिष्ट शर्तें)।
- PMFME (माइक्रो फूड प्रोसेसिंग) से अनुदान/तकनीकी सहायता; FSSAI/पैकेजिंग/ब्रांडिंग में मदद।

5) डिजिटल/कॉमन सर्विस सेंटर (CSC)

- CSC के जरिए सरकारी/बैंकिंग/डिजिटल सेवाएँ देना; ट्रेनिंग और रजिस्ट्रेशन से अपना छोटा डिजिटल सेवा केंद्र चलाना।

6) ई-रिक्शा/इलेक्ट्रिक वाहन सहायता

- कुछ राज्यों/शहरों में EV पर सब्सिडी/पंजीयन/लोन सुविधा; स्थानीय परिवहन विभाग से जानकारी लें।
- महिला ड्राइवर प्रशिक्षण कार्यक्रम और समूह-आधारित लीजिंग मॉडल (जहाँ उपलब्ध हो)।

7) कृषि एवं allied सहायता

- पशुपालन/डेयरी, पोल्ट्री, फिशरी, मशरूम, बागवानी के लिए सब्सिडी/लोन; कृषि विभाग/पशुपालन विभाग/मत्स्य विभाग के कार्यालय से जानकारी।
- किसान उत्पादक संगठन (FPO) से जुड़कर बीज/खाद/खरीद/बिक्री में लाभ।

Disclaimer: यहाँ दी गई सामग्री इंटरनेट सोर्सेज से मात्र चर्चा के लिए जुटायी गई है, मधुरम चैरिटेबल ट्रस्ट फॉर फ्यूचर्स इन जानकारियों की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं करता है। पाठक कृपया अपने स्तर पर इनकी पुष्टि कर लें।

8) आवास/विद्युत/स्वच्छता/इंटरनेट

- PMAY (आवास), स्वच्छ भारत (शौचालय), बिजली कनेक्शन, पाइप्ड पानी, पीएम वाई-फाई (जहाँ उपलब्ध)—ये सभी बुनियादी सुविधाएँ आपकी पढ़ाई/उद्यम दोनों के लिए आधार बनाती हैं; संबंधित विभाग से अपडेट लेते रहें।

D. सही विकल्प चुनने के लिए सरल रोडमैप

चरण 1: अपनी रुचि और परिस्थिति समझें

- क्या अपनी पढ़ाई जारी रखनी है या कौशल लेकर तुरंत कमाना है?
- घर से बाहर जाना संभव है या नहीं? होस्टल/सुरक्षा/खर्च पर विचार करें।
- परिवार की आर्थिक स्थिति—अभी कमाई ज़रूरी है, या 1–2 साल का प्रशिक्षण लेकर बेहतर नौकरी?

चरण 2: 2–3 विकल्प सूचीबद्ध करें

- उदाहरण: ITI (COPA/ड्रेस मेकिंग), ANM/GNM, DMLT; या सिलाई/बुटीक, फूड प्रोसेसिंग, डिजिटल सेवा केंद्र।
- हर विकल्प के लिए आवश्यक योग्यता, अवधि, फीस/लोन, नौकरी/आय संभावना लिखें।

चरण 3: संस्थान और योजना की जानकारी सत्यापित करें

- जिला रोजगार कार्यालय/ITI/पॉलिटेक्निक/स्किल सेंटर/नर्सिंग कॉलेज जाकर ऑफिशियल जानकारी लें।
- फर्जी/अमान्य संस्थानों से बचें—मान्यता/अफिलिएशन ज़रूर जांचें।

चरण 4: फीस/लोन/स्कॉलरशिप का जुगाड़

- छात्रवृत्ति/फीस माफी/होस्टल/यातायात पास/मुद्रा लोन/SHG लोन—जिसका भी आप पर लागू, तुरंत आवेदन करें।
- डॉक्यूमेंट तैयार रखें: आधार, बैंक खाता, पासबुक, जाति/आय/निवास/डिसएबिलिटी प्रमाण (यदि लागू), मार्कशीट, फोटो, मोबाइल/ईमेल।

Disclaimer: यहाँ दी गई सामग्री इंटरनेट सोर्सेज से मात्र चर्चा के लिए जुटायी गई है, मधुरम चैरिटेबल ट्रस्ट फॉर फ्यूचर्स इन जानकारियों की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं करता है। पाठक कृपया अपने स्तर पर इनकी पुष्टि कर लें।

चरण 5: कोर्स/उद्यम शुरू करें और नेटवर्क बनाएं

- पढ़ाई के साथ-साथ इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/पार्ट-टाइम काम जोड़ें।
- उद्यम में छोटी शुरुआत—गुणवत्ता/समयपालन/साफ-सफाई/ईमानदार व्यवहार से भरोसा बनता है। WhatsApp/सोशल मीडिया से ग्राहकी बढ़ाएँ।

चरण 6: 6–12 महीने में समीक्षा

- क्या सीखा? क्या कमाया? आगे क्या अपग्रेड करना है—दूसरा कोर्स, नई मशीन, नया प्रोडक्ट, नई सेवा?
- अगर नौकरी है तो बेहतर पोस्ट/तनख्वाह के लिए अगला स्किल; अगर उद्यम है तो बिक्री/डिलीवरी/ग्राहक सेवा सुधारें।

E. सुरक्षा, सम्मान और अधिकार

- पढ़ाई/काम की जगह सुरक्षित होनी चाहिए—होस्टल/ट्रेनिंग सेंटर/ऑफिस/दुकान की बुनियादी सुरक्षा जांचें।
- किसी भी प्रकार के शोषण/हिंसा/धोखाधड़ी/दहेज मांग आदि पर तुरंत परिवार, विश्वसनीय शिक्षक/NGO/महिला हेल्पलाइन/पुलिस से संपर्क करें।
- बैंक/लोन/इंटरनेट धोखाधड़ी से सावधान रहें; OTP/एटीएम पिन/UPI पिन साझा न करें।
- यात्रा/शिफ्टिंग के समय अपनी लोकेशन/संपर्क जानकारी घरवालों को देते रहें।

F. स्थानीय उदाहरणों के अनुरूप व्यावहारिक सुझाव

सासाराम (रोहतास)

- मार्बल-टाइल/निर्माण सामग्री, कृषि, छोटी रिटेल—इनसे जुड़े ट्रेड/कोर्स व जॉब।
- ITI/पॉलिटेक्निक में इलेक्ट्रिकल/फिटर/COPA अच्छे विकल्प; साथ में Tally/DEO से ऑफिस जॉब।
- पर्यटन मार्ग/हाईवे–हॉस्पिटैलिटी/फूड काउंटर/टिफिन सेवा।

समस्तीपुर

- कृषि/डेयरी/सब्ज़ी—फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड-चेन (जहाँ सुविधा), सीड/फर्टिलाइजर सेल्स।

Disclaimer: यहाँ दी गई सामग्री इंटरनेट सोर्सेज से मात्र चर्चा के लिए जुटायी गई है, मधुरम चैरिटेबल ट्रस्ट फॉर फ्यूचर्स इन जानकारियों की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं करता है। पाठक कृपया अपने स्तर पर इनकी पुष्टि कर लें।

- रेलवे/लॉजिस्टिक्स क्षेत्र—डाटा एंट्री/कस्टमर सर्विस/रिटेल।
- महिला SHG नेटवर्क मजबूत; सिलाई/बुटीक/यूनिफॉर्म सप्लाई और CSC सेवाएँ प्रासंगिक।

सीतामढ़ी

- सीमावर्ती व्यापार/रिटेल/परिवहन; स्कूल/कोचिंग/हेल्थ सेवाएँ।
- ANM/GNM, DMLT जैसे हेल्थ कोर्स; ट्यूशन/कोचिंग + डिजिटल सर्विस सेंटर।
- हैंडीक्राफ्ट/टेक्सटाइल/सिलाई का काम घर-आधारित उद्यम के रूप में संभव।

निष्कर्ष

+2 के बाद करियर चुनना एक बड़ा फैसला है, पर सही जानकारी और छोटी-छोटी ठोस कोशिशों से इसे आसान बनाया जा सकता है। यदि घर की स्थिति कमजोर है, तो अल्पावधि स्किल कोर्स लेकर तुरंत कमाई शुरू करें और साथ में अगला कौशल जोड़ते रहें। यदि पढ़ाई जारी रखने की इच्छा है, तो रोजगार-उन्मुख डिप्लोमा/नर्सिंग/पैरामेडिकल/टीचिंग ट्रैक चुनें और छात्रवृत्ति/होस्टल/लोन का लाभ लें। जो बालिकाएँ स्वयं का काम शुरू करना चाहती हैं, वे SHG/मुद्रा/PMFME/CSC जैसी योजनाओं से पूंजी और प्रशिक्षण जोड़कर सिलाई, फूड, ब्यूटी, डिजिटल सेवाएँ या कृषि-आधारित उद्यम में आगे बढ़ें।

याद रखें: सुरक्षा, सम्मान और आत्मविश्वास सबसे ज़रूरी हैं। परिवार, शिक्षक, मित्र और भरोसेमंद संस्थानों से मदद लेने में संकोच न करें। छोटे कदम, सतत सीखना और ईमानदार मेहनत—यही भविष्य की मजबूत नींव है।

***

Disclaimer: यहाँ दी गई सामग्री इंटरनेट सोर्सेज से मात्र चर्चा के लिए जुटायी गई है, मधुरम चैरिटेबल ट्रस्ट फॉर फ्यूचर्स इन जानकारियों की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं करता है। पाठक कृपया अपने स्तर पर इनकी पुष्टि कर लें।